इन्क़िलाबी नज़र

आवाज़ ... आम आदमी की

लखनऊ, मंगलवार, 2 जून 2026

> यदि आप दूसरों की मदद कर सकते हैं, तो अवश्य करें, यदि नहीं कर सकते हैं तो कम से कम उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाएं।
>
> –दलाई लामा

वर्ष 18 अंक 270 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

लखनऊ – अधिकतम 34.1°C (-6.1) न्यूनतम 24.4°C(-1.8) सेंसेक्स 74,775.74 (-1,092.05) निफ्टी 23,547.75 (-359.40) सोना 1,56,370 चांदी 2,60,000 रुपया – डॉलर 94.13 दिरहम 25.91 रियाल 25.37

तंबाकू की लत से युवाओं को बचाने का संदेश

एराज मेडिकल कॉलेज में जागरुकता कार्यक्रम

लखनऊ (सं)। तंबाकू और निकोटीन उत्पादों के आकर्षक विज्ञापन युवाओं को तेजी से अपनी ओर खींच रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए जागरूकता की अलख जगा रहे हैं। इसी उद्देश्य के साथ एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर विशेष जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

'लुभावने आकर्षण का पर्दाफाश– निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला' थीम पर आयोजित कार्यक्रम में छात्रों और स्वास्थ्यकर्मियों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों तथा उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के प्राचार्य एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. जमाल मसूद ने किया। राज्य तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के सलाहकार सतीश त्रिपाठी ने भारत में लागू तंबाकू नियंत्रण कानूनों की जानकारी देते हुए कहा कि जागरूकता और कानूनों का पालन ही तंबाकू मुक्त समाज की नींव है। वहीं यूपी वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन की क्षेत्रीय समन्वयक प्रियांशा सचान ने स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशा छोड़ने के लिए सही परामर्श और समय पर सहयोग बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में एमबीबीएस छात्रों ने भी सक्रिय भागीदारी की। वक्ताओं ने युवाओं से तंबाकू और निकोटीन उत्पादों के भ्रामक प्रचार से सतर्क रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। इस मौके पर एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता तिवारी, डॉ. तहसीन मुंसिफ, डॉ. अनम अहमद, डॉ. आकांक्षा सिंह और डॉ. दीक्षा सिंह के साथ कई एमबीबीएस छात्र मौजूद थे।

इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, मंगलवार, 2 जून 2026

यदि आप दूसरों की मदद कर सकते हैं, तो अवश्य करें, यदि नहीं कर सकते हैं तो कम से कम उनके नुकसान नहीं पहुंचाइये।
-दलाई लामा

वर्ष 18 अंक 270 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

युवाओं को निशाना बना रही तंबाकू इंडस्ट्री

निकोटीन की लत बन रही बड़ी चुनौती : विशेषज्ञ

लखनऊ (सं)। आधुनिक मार्केटिंग तकनीकों और आकर्षक उत्पादों के जरिए युवाओं को तंबाकू और निकोटीन की लत की ओर धकेला जा रहा है, जो आने वाले समय में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि तंबाकू कंपनियां फ्लेवर, आकर्षक पैकेजिंग और डिजिटल प्रचार के माध्यम से नई पीढ़ी को अपने जाल में फंसा रही हैं।

एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर एवं डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि तंबाकू सेवन आज भी दुनिया में रोकी जा सकने वाली

मौतों का सबसे बड़ा कारण बना हुआ है। उनके अनुसार हर वर्ष विश्वभर में 80 लाख से अधिक लोगों की मौत तंबाकू से जुड़ी बीमारियों के कारण होती है, जबकि भारत में यह संख्या लगभग 13.5 लाख तक पहुंच जाती है। प्रो. प्रसाद ने बताया कि तंबाकू केवल फेफड़ों के कैंसर, सीओपीडी, टीबी और निमोनिया जैसी श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण नहीं बनता, बल्कि हृदय रोग, स्ट्रोक, मुंह और गले के कैंसर समेत कई गंभीर रोगों का जोखिम भी बढ़ाता है।

भारत में बीड़ी का सेवन अब भी सबसे अधिक प्रचलित है और इसके स्वास्थ्य पर प्रभाव सिगरेट से कम नहीं हैं। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम 'निकोटीन और तंबाकू उत्पादों के आकर्षण का पर्दाफाश' रखी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि ई-सिगरेट, वेपिंग और अन्य निकोटीन उत्पादों को आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाकर प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि ये युवाओं में लत को बढ़ाने का माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों, शिक्षकों और समाज से युवाओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और नशामुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने की अपील की।